RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बरः- +917357161599

संचार जगत
दैनिक समाचार पत्र
sancharjagat.com
editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्षः 13 | अंकः 283 | जयपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026 | मूल्यः 2.00 रूपए | पृष्ठः 4

▶ प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर लगाया उपेक्षा का आरोप

पीएम मोदी बोले- नक्सली हिंसा का सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को हुआ...

गढ़चिरौली में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित, करीब 3,000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली/संचार जगत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सली हिंसा की सबसे बड़ी कीमत आदिवासी समुदायों को चुकानी पड़ी। माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासियों को मतदान के अधिकार से भी वंचित रखा गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारें इस स्थिति पर मूकदर्शक बनी रहीं और आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया।प्रधानमंत्री भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

हिंसा खत्म होने से बढ़ा सुरक्षा का भरोसा

मोदी ने कहा कि माओवादी हिंसा खत्म होने के बाद आदिवासी क्षेत्रों में स्थिति बदली है। अब आदिवासी महिलाएं और परिवार खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हिंसा के कारण जिन बच्चों का बचपन प्रभावित हुआ था, उन्हें अब शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में करीब 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने इसे आजादी के बाद देश की बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया।



246 विकास परियोजनाओं की शुरुआत

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान करीब 3,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 246 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामुदायिक बुनियादी ढांचे से जुड़े काम शामिल हैं। आदिवासी विकास से जुड़ी परियोजनाओं के तहत शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य सुविधाओं, आदिवासी उत्पादों के विपणन केंद्रों और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को विकसित किया जाएगा। उन्होंने मिजोरम में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर की गई थी। अब यह राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है। पिछले वर्ष बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर देशभर में दो लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिनमें करोड़ों लोगों ने भाग लिया।

आदिवासी क्षेत्रों के लिए एक लाख करोड़ से अधिक का आवंटन

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए पीएम-जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया है। उन्होंने बताया कि गरीब परिवारों को चार करोड़ से अधिक पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं, आजादी के दशकों बाद भी बिजली से वंचित रहे 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई गई है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा और देशभर में 1.75 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जाने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, मुद्रा योजना के तहत गरीब परिवारों को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा 100 से अधिक आकांक्षी जिलों और 500 से ज्यादा आकांक्षी ब्लॉक में विकास अभियान चलाए जा रहे हैं।

स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष से लौटा स्टारशिप हवा में किया कैच



एलन मस्क की स्पेसएक्स ने रचा इतिहास

15वीं उड़ान के दौरान 26 स्टारलिंक उपग्रह भी कक्षा में स्थापित किए

नई दिल्ली/संचार जगत

स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष से लौटे अपने स्टारशिप यान को टेक्सास स्थित लॉन्च टावर की विशाल यांत्रिक भुजाओं से सफलतापूर्वक पकड़कर रॉकेट तकनीक में नया इतिहास रच दिया है।

अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और नासा प्रमुख जेरेड आइजैकमैन ने एलन मस्क और उनकी टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी है। इस परीक्षण में पहली बार कक्षा से लौटे किसी रॉकेट के ऊपरी हिस्से को लॉन्च स्थल पर सीधा पकड़ा गया। स्टारशिप ने अपनी 15वीं उड़ान के दौरान 26 स्टारलिंक उपग्रह भी कक्षा में स्थापित किए। रॉकेट के निचले हिस्से सुपर हेवी बूस्टर को पकड़ने का प्रयास हालांकि असफल रहा। तकनीकी समस्या के कारण उसे समुद्र में निर्धारित स्थान पर उतारना पड़ा। स्पेसएक्स ने कहा कि बूस्टर की विफलता से उसके पूर्ण पुनः उपयोग योग्य रॉकेट विकसित करने की समय सीमा प्रभावित नहीं होगी।

रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, कि बधाई हो, एलन मस्क। आप एक महान अमेरिकी हैं। नई सीमाओं का नेतृत्व करते रहिए। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि इस स्टारशिप कैच के लिए स्पेस एक्स को बधाई। यह अब भी विज्ञान-कथा जैसा लगता है!

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

16 साल पुरानी शादी आपसी सहमति से खत्म, कहा- बदल गई विवाह की पारंपरिक अवधारणा

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 16 साल पुरानी शादी को पति-पत्नी की आपसी सहमति के आधार पर समाप्त करने का आदेश दिया है।

इस मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम में धारा 13बी (आपसी सहमति से तलाक) जुड़ने के बाद विवाह को लेकर पारंपरिक सोच में मौलिक बदलाव आया है। अब विवाह को एक अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के रूप में भी देखा जाता है, जिसे पति-पत्नी आपसी सहमति से शुरू करने के साथ ही आपसी सहमति से समाप्त भी कर सकते हैं। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अनुरूप सिंघी की खंडपीठ ने यह आदेश फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ पत्नी की ओर से दायर अपील का निस्तारण करते हुए दिया।

फैमिली कोर्ट ने पत्नी को पति के साथ रहने के दिए थे आदेशः मामले के अनुसार, पति-पत्नी की शादी 5 फरवरी 2010 को हुई थी। दोनों का एक 15 वर्षीय बेटा भी है। दिसंबर 2019 से दोनों अलग-अलग रह रहे थे। फैमिली कोर्ट-1, अजमेर ने 7 अगस्त 2025 को पति की ओर से दायर वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना की याचिका स्वीकार करते हुए पत्नी को पति के साथ रहने का आदेश दिया था। इस फैसले को पत्नी ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

मध्यस्थता के बाद तलाक पर बनी सहमतिः हाईकोर्ट में अपील लंबित रहने के दौरान दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता और परिजनों के प्रयासों से सहमति बन गई। इसके बाद पति-पत्नी ने आपसी सहमति से तलाक लेने का निर्णय किया

मुंबई के सीएसएमटी स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई, आरएनएन। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शाम को सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। करीब तीन घंटे तक चले अभियान में

पुलिस कंट्रोल रूम में डायल 112 पर आया फोन, तीन घंटे चला तलाशी अभियान

स्टेशन परिसर और ट्रेनों की जांच की गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक, 14 नवंबर को शाम करीब 6:50 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को डायल 112 के जरिए धमकी भरा फोन आया। फोन करने वाले ने सीएसएमटी स्टेशन पर बम रखे होने की बात कही। कॉलर ने मोबाइल नंबर 9420112655 से फोन किया था। सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

अमिताभ के घर फायरिंग की साजिश में दो शूटर गिरफ्तार

गैंगस्टर के इशारे पर काम करने का आरोप



नई दिल्ली/संचार जगत

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अभिनेता अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित आवास जलसा के बाहर फायरिंग की कथित साजिश के मामले में दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने मुंबई पुलिस की मदद से दोनों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के संपर्क में थे और उसके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर अमिताभ बच्चन के कथित बयान से नाराज था। इसी वजह से वह अभिनेता को निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ बच्चन ऐसे किसी भी बयान देने के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। दीपक सिंह को मुंबई में कुछ समय तक रुककर अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। वह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में भी वांटेड था।

कॉन्स्टेबल को गोली मारने वाला एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता, आरएनएन। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को पुलिस ने मुठभेड़ में रतन शेख को मार गिराया। उस पर शांतिनिकेतन में पुलिस टीम पर गोली चलाने और कांस्टेबल विश्वजीत दास को घायल कर फरार होने का आरोप था। भाजपा

तीन दिन से था फरार

सरकार बनने के बाद राज्य में पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह पांचवां मामला है।

पुलिस के मुताबिक, रतन शेख नानूर थाना क्षेत्र के संतरा गांव का रहने वाला था। उसके खिलाफ नानूर, बोलपुर और शांतिनिकेतन थानों में चोरी, डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी समेत 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसे हाल ही में कई मामलों में जमानत मिली थी। शुक्रवार शाम पुलिस को शांतिनिकेतन के एक बाजार के पास उसकी मौजूदगी की सूचना मिली थी।

श्रीगंगानगर रेलवे ट्रैक ब्लास्ट मामला

महिला समेत दो मुख्य आरोपी पंजाब से गिरफ्तार



संचार जगत

श्रीगंगानगर। जिले के रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में 50 जीबी गांव के नजदीक अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर हुए ब्लास्ट मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली।

पुलिस ने इस वारदात के दो मुख्य आरोपियों को पंजाब के गुरदासपुर से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दविंदर सिंह और महकदीप कौर के रूप में हुई है।

दोनों पंजाब के गुरदासपुर जिले के निवासी हैं। वारदात से जुड़े अन्य सहयोगियों को भी पुलिस ने डिटेन किया है। पुलिस को उम्मीद है कि घटना की साजिश, इसमें शामिल अन्य लोगों और वारदात के पीछे के मकसद से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

SIR में नाम कटने पर भी फॉर्म-6 भरने वालों पर नहीं चलेगा केस

नई दिल्ली/संचार जगत

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दोहराई बात

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर भी संबंधित व्यक्ति फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसा करने पर उसके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

आयोग ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के बाद फॉर्म-6 भरने वाले लोगों के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई नहीं होगी। आयोग ने यह स्पष्टीकरण दोहराया है, ताकि सूची में नाम नहीं होने पर लोग आवेदन करने से न डरें। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदाता सूची से हटाए गए लोगों की बूथवार सूची प्रदर्शित की जा रही है। इसमें नाम शामिल नहीं किए जाने का कारण भी बताया जा रहा है, ताकि संबंधित मतदाता इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें।

महापर्व लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया संध्या अर्घ्य

देशभर में छठ की धूम, डूबते सूर्य को अर्घ्य देने उमड़े श्रद्धालु

नई दिल्ली/संचार जगत

लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को देशभर में श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया। बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात, असम, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में नदियों, तालाबों और छठ घाटों पर बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचे।

घाटों पर पूजा-अर्चना के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। बिहार में 10 हजार से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। पटना सहित राज्य के विभिन्न जिलों में घाटों पर भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्थानीय गोताखोर और आपदा मित्रों की तैनाती की गई। राज्य में एसडीआरएफ की टीमें 254 घाटों, एनडीआरएफ की टीमें 123 घाटों और स्थानीय गोताखोरों व आपदा मित्रों की तैनाती 12,806 घाटों पर की गई। पटना के मिर्जापुर गांव में घाट की सजावट के दौरान पुनपुन नदी में चार युवक डूब गए। बचाव दल ने एक युवक को सुरक्षित निकाल लिया, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी रही। चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार सुबह व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके साथ ही पूजा के अनुष्ठान और व्रत का समापन होगा।



बिहार में 10 हजार से अधिक घाटों पर हुआ आयोजन

दिल्ली में 1,400 से अधिक घाटों पर हुई पूजा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छठ पूजा को लेकर व्यापक तैयारियां की गईं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार घाट पर पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने नाव से विभिन्न घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। दिल्ली सरकार के अनुसार, राजधानी में छठ पूजा के लिए 1,435 स्थानों पर इंतजाम किए गए हैं, जबकि यमुना किनारे 24 मॉडल घाट बनाए गए हैं। आईटीओ स्थित छठ घाट पर करीब एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की जानकारी सामने आई। संगम विहार सहित विभिन्न इलाकों में भी बड़ी संख्या में व्रतियों ने पूजा की। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यमुना घाटों से जुड़े मार्गों पर रविवार दोपहर दो बजे से सोमवार सुबह आठ बजे तक यातायात में बदलाव किया गया। जरूरत के अनुसार वाहनों को वैकल्पिक मार्गों पर भेजने की व्यवस्था की गई।

7 साल बाद... न्यूजीलैंड में भारत ने जीती वनडे सीरीज



माउंट माउंगानुई, आरएनएन। भारत ने पांचवें और आखिरी वनडे में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 3-1 से जीत ली। भारत ने सात साल बाद न्यूजीलैंड की धरती पर वनडे सीरीज अपने नाम की है। 210 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 187 रन पर सिमट गई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की पारियां खेलीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम एक समय दो विकेट पर 82 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया। अर्शदीप ने तीन विकेट लिए, जबकि सिराज और अक्षर को दो-दो सफलताएं मिलीं।

संपादकीय

आतंक ने फिर सिर उठाया

कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ के एक नाके पर आतंकी हमला इस आवश्यकता को फिर से रेखांकित कर रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अभी आतंकवाद की कमर पर और चोट करना शेष है। चिंताजनक केवल यह नहीं कि सीआरपीएफ नाके पर हुए हमले में तीन जवान घायल हो गए, बल्कि यह भी है कि घात लगाकर गोलीबारी करने के बाद आतंकी भागने में सफल रहे। बहुत संभव है कि देर-सबेर उन्हें ढेर कर दिया जाए, लेकिन इस पर तो ध्यान दिया ही जाना चाहिए कि उन्हें स्थानीय स्तर पर किसी ने शरण दी होगी। हालांकि जम्मू-कश्मीर में आतंक अंतिम सांसें ले रहा है और आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है, लेकिन वह तब तक दम तोड़ने वाला नहीं, जब तक आतंकियों को स्थानीय स्तर पर समर्थन और संरक्षण मिलना बंद नहीं होता। स्पष्ट है कि आतंकियों के खुले-छिपे समर्थकों के खिलाफ और कठोरता दिखानी होगी। इसके लिए सुरक्षा बलों को अपनी रणनीति भी बदलनी होगी, क्योंकि उनकी सख्ती के चलते हाइब्रिड किस्म के आतंकी और उनका साथ देने वाले ओवर ग्राउंड वर्कर उभर आए हैं। हाइब्रिड आतंकी वे तत्व हैं, जो सामान्य लोगों जैसे रहते हुए आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसी तरह ओवर ग्राउंड वर्कर भी आम लोगों की तरह जीवन-यापन करते हुए आतंकियों को शरण देने, उन्हें सूचनाएं पहुंचाने और उनके हथियारों को इधर-उधर करने का काम करते हैं। चूंकि इन तत्वों की पहचान करना कठिन होता है, इसलिए सुरक्षा बलों की तमाम सतर्कता के बाद भी आतंकी जब-तब हमले करने में सफल हो जाते हैं।



ऐसे हमले उनकी हताशा के साथ-साथ उनके दुस्साहस को भी बयान करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों को उसी दिन निशाना बनाया गया, जिस दिन उपराज्यपाल शहर के एक कालेज में तीन दिनों तक चलने वाले एक सांस्कृतिक-व्यापारिक उत्सव में शामिल होने गए थे। ऐसे मौके पर आतंक का सिर उठाना शुभ संकेत नहीं। निःसंदेह अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जम्मू-कश्मीर का माहौल बदला है, लेकिन शायद अभी वह समय नहीं आया कि उसके पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने पर विचार किया जाए।

चूंकि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को नए सिरे से खाद-पानी देने की कोशिश में है, इसलिए यह भी आवश्यक है कि नियंत्रण रेखा को पूरी तरह अभेद्य बनाया जाए। इसी के साथ पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देने में संकोच न किया जाए कि वह आपरेशन सिंदूर भूलने की गुस्ताखी न करे। पाकिस्तान को यह पता चलते रहना चाहिए कि आतंक के सहारे भारत को नुकसान पहुंचाने की उसकी कोई भी कोशिश उस पर बहुत भारी पड़ेगी। भारत को उससे तब तक सतर्क रहना होगा, जब तक उसकी जमीन पर आतंकियों के अड्डे खत्म नहीं हो जाते।

सुनिश्चित हो जलवायु न्याय

इस साल के सम्मेलन में भारत का लक्ष्य विकासोन्मुख देशों की सामूहिक शक्ति को मजबूत बनाना है, ताकि जलवायु न्याय के लिए विकसित देशों पर वित्तीय सहायता के वादों को पूरा करने का दबाव बनाया जा सके। विकासोन्मुख देशों का कहना है कि उन्हें अपनी अर्थव्यवस्थाओं के हरितीकरण और बुनियादी ढांचे को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव झेलने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1300 अरब डालर की वित्तीय सहायता चाहिए। जबकि भरसक प्रयासों के बावजूद 2035 तक केवल 300 अरब डालर जुटाने के लक्ष्य पर ही सहमति बन पाई थी, जिसमें अधिकांश योगदान धनी विकसित देशों को करना था।



तुर्किए के शहर अंताल्या में 31वां विश्व जलवायु सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब वायुमंडल का तापमान पेरिस जलवायु संधि में नियत की गई 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है। विज्ञानियों का कहना है कि यह साल गर्मी के सारे रिकार्ड तोड़ने जा रहा है। प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ने से पैदा होने वाले अल नीनो प्रभाव की वजह से अगले साल भी ग्रीष्म लहर की प्रबल आशंका है, जिससे भारत का मानसून प्रभावित हो सकता है। इसलिए सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि हमारी धरती गरम हो रही है। हालांकि तापमान के 1.5 डिग्री सेल्सियस पार कर जाने का मतलब हाथ पर हाथ रखकर बैठना नहीं है। विज्ञान हमें समर्पण के लिए नहीं, बल्कि मुस्तैदी से लड़ने को कह रहा है।

इस साल के सम्मेलन में भारत का लक्ष्य विकासोन्मुख देशों की सामूहिक शक्ति को मजबूत बनाना है, ताकि जलवायु न्याय के लिए विकसित देशों पर वित्तीय सहायता के वादों को पूरा करने का दबाव बनाया जा सके। विकासोन्मुख देशों का कहना है कि उन्हें अपनी अर्थव्यवस्थाओं के हरितीकरण और बुनियादी ढांचे को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव झेलने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1300 अरब डालर की वित्तीय सहायता चाहिए। जबकि भरसक प्रयासों के बावजूद 2035 तक केवल 300 अरब डालर जुटाने के लक्ष्य पर ही सहमति बन पाई थी, जिसमें अधिकांश योगदान धनी विकसित देशों को करना था। हकीकत यह है कि अभी तक कुल मिलाकर लगभग 30 अरब डालर की सहायता ही जुट पाती है। वादों और उनकी पूर्ति के बीच की इस खाई को पाटने के लिए इस साल के जलवायु सम्मेलन में गुटेरस ने जलवायु न्याय के समझौते का प्रस्ताव रखा है, जिसके चार आधारबिंदु हैं। जीवाश्म ईंधनों को त्यागने की गति बढ़ाना, जलवायु परिवर्तन की चपेट में आए लोगों की सुरक्षा, जलवायु अनुदान देना और किफायती दरों पर वित्त उपलब्ध कराना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना। गुटेरस ने कहा कि हम साधन दिए बिना विकासोन्मुख देशों से अर्थव्यवस्थाओं के हरित कायाकल्प की अपेक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से हो रही क्षति की पूर्ति के लिए ईंधन कंपनियों से वसूली का आग्रह भी किया। इन कंपनियों ने पिछली तिमाही में 95 अरब डालर का लाभ कमाया और जलवायु क्षतिपूर्ति के नाम पर केवल 60 करोड़ डालर देकर पल्ला झाड़ लिया। उन्हें इस दिशा में और अंशदान देने की आवश्यकता है।

सम्मेलन में मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करने पर भी जोर दिया जा रहा है। यह गैस कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में 80 गुना ताप को जमा कर सकती है और तापमान में आज तक हुई वृद्धि के एक तिहाई से अधिक के लिए जिम्मेदार है। मीथेन का मुख्य स्रोत मांस और दूध के लिए पाले जाने वाले मवेशी, तेल और गैस के कुएं, कोयला खदानें, सड़ता हुआ कचरा और खेतों में जलाई जाने वाली पराली है। पशुपालन और जीवाश्म ईंधन उद्योग तीन चौथाई मीथेन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम जीवाश्म ईंधन उद्योग के लिए मीथेन के शून्य उत्सर्जन का मानदंड बना रहा है और लोगों को मांसाहार से शाकाहार की तरफ मोड़ने के लिए भी जागरूकता फैलाई जा रही है। वैसे इस वर्ष के सम्मेलन में परिचर्चा का केंद्रीय विषय जल और महासागरों की ताप सहनशीलता है जो भारत में जल प्रदूषण के संकट से सीधे तौर पर जुड़ा है। जल प्रदूषण के मामले में भारत 122 देशों की सूची में 120वें पायदान पर है। इसका सबसे प्रमुख स्रोत घरों और कारखानों का प्रदूषित जल है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार भारत की 271 नदियों के शहरों और औद्योगिक केंद्रों से गुजरने वाले 296 प्रवाह बुरी तरह प्रदूषित हो चुके हैं। यह हालत तब है जबकि भारत में नदियां पूजा-अर्चना का केंद्र रही हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक स्नान मेला नदियों के किनारे लगता है। आजकल सूर्योपासना का छठ महापर्व चल रहा है, जिसमें स्नान-ध्यान और पूजा-अर्चना पानी में खड़े होकर की जाती है। इसलिए हर छठ महापर्व या कुंभ मेले या किसी अन्य आयोजन के अवसर पर नदियों का प्रदूषण कम करने के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। बांध-बैराजों से अतिरिक्त पानी छोड़कर प्रदूषण कम करने की कोशिश की जाती है, लेकिन हजारों करोड़ खर्च करने के बाद भी प्रदूषण जस का तस बना हुआ है।

यमुना के दिल्ली से होकर गुजरने वाले 22 किलोमीटर लंबे प्रवाह को भारत का सबसे प्रदूषित नदी प्रवाह माना जाता है। वजीराबाद बैराज पर यमुना का लगभग सारा पानी निकाल लिया जाता है और उसकी जगह नजफगढ़ और शाहदरा जैसे 22 नालों का करोड़ों गैलन गंदा पानी गिरता है। सफाई के लिए सरकार नए शोधन प्लांट लगा तो रही है, लेकिन जब तक इनका पानी यमुना में गिरते समय साफ नहीं होगा और यमुना में कचरा फेंकने पर पूरी तरह रोक नहीं लगेगी तब तक यह स्नान के लिए सुरक्षित नहीं बन पाएगी। यह काम सरकारों की ईमानदारी के साथ-साथ लोगों की सहभागिता के बिना पूरा नहीं हो सकता। लंदन की टेम्स, जर्मनी की राइन और बीजिंग की योंगडिंग नदियों को इसी तरह साफ किया गया था। जल जितनी ही खतरनाक स्थिति वायु प्रदूषण की भी है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर भारत में ही हैं। इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला तो सरकारों के पास प्रदूषण नियंत्रण को कड़ाई से लागू करने की इच्छाशक्ति और आपसी तालमेल नहीं है। दूसरा लोगों में जागरूकता और दायित्व के बोध की कमी और स्वच्छ ऊर्जा के साधनों का किफायती दामों पर उपलब्ध न होना है। 25 साल पहले तक बीजिंग और मेक्सिको के महानगरीय क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण की लगभग यही स्थिति थी। इसमें तभी सुधार लाया जा सकता है जब पंजाब से बिहार तक ऊर्जा, उद्योग, परिवहन, कृषि, विमानन, निर्माण और पर्यावरण जैसे सभी विभाग मिलकर प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां बनाएं और लोगों के साथ तालमेल बिठाकर काम करें। भारत को यह काम स्वयं ही करना होगा, क्योंकि अपने जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण के लिए वह विकसित देशों को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता।

जीवनशैली



सुविधाएं बढ़ीं, खुशियां कहां खो गईं?

भागदौड़ भरी जिंदगी में उपलब्धियों का आनंद लेना भी सीखें

अच्छी नौकरी, अपना घर, गाड़ी और बैंक बैलेंस... जिंदगी की ज्यादातर जरूरतें पूरी होने के बावजूद कई लोग सुकून की तलाश में रहते हैं। दिनभर काम, भविष्य की योजनाएं और जिम्मेदारियां निभाते हुए जिंदगी आगे तो बढ़ती है, लेकिन उसे जीने का अहसास पीछे छूट जाता है। दरअसल, हम अपनी खुशी को अगली उपलब्धि से जोड़ देते हैं। लगता है कि थोड़ा और पैसा, बड़ा घर या बेहतर पद मिल जाए तो सब ठीक हो जाएगा। लेकिन एक मंजिल मिलते ही दूसरी की चाह शुरू हो जाती है। आर्थिक सुरक्षा जरूरी है, लेकिन मानसिक संतुष्टि का आधार केवल सुविधाएं नहीं हैं। अच्छे रिश्ते, आत्मस्वीकृति, आभार और अपने प्रति सकारात्मक नजरिया भी खुशहाली में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कुछ आदतें बदलकर जिंदगी को ज्यादा सुकूनभरा बनाया जा सकता है।

भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान जिएं

अगले लक्ष्य की चिंता में पिछली सफलता का जश्न मनाना भूल जाते हैं। प्रमोशन मिला तो अगली वेतनवृद्धि की चिंता और घर खरीदा तो बड़े घर का सपना। कभी ठहरकर अपनी मेहनत को सराहें। छोटी उपलब्धियों की खुशी भी महसूस करें।

हर समय न रहें व्यस्त

आज व्यस्त रहना सफलता का पैमाना बन गया है। खाली समय मिलते ही मोबाइल या दूसरे कामों में उलझ जाते हैं। जबकि मन को भी विश्राम चाहिए। कुछ देर शांत बैठना, प्रकृति को निहारना या टहलना मानसिक थकान कम कर सकता है।

खुद को दें प्राथमिकता

हर काम में तारीफ और मंजूरी की अपेक्षा मन को अस्थिर कर सकती है। अपनी पसंद और फैसलों का मूल्य केवल दूसरों की प्रतिक्रिया से तय न करें। हर किसी को खुश करने की कोशिश में खुद की प्राथमिकताएं न भूलें।

दूसरों से न करें तुलना

वर्तमान में सोशल मीडिया पर किसी की विदेश यात्रा, महंगी कार या शानदार घर देखकर अपनी जिंदगी साधारण लगने लगती है। याद रखें, वहां जिंदगी का केवल चुनिंदा हिस्सा दिखाई देता है। दूसरों से तुलना करने के बजाय देखें कि आपने बीते वर्षों में कितनी प्रगति की है।

रिश्तों को दें पर्याप्त समय

जिंदगी की भागदौड़ में अक्सर हम उन लोगों को ही समय नहीं दे पाते, जो हमारी खुशियों की वजह हैं। परिवार के साथ कुछ पल बिताना, दोस्तों से मिलना और अपनों की बातें सुनना भी सुकून का जरिया है। रिश्तों को केवल जिम्मेदारी नहीं, खुशी का हिस्सा बनाएं।

गलतियों पर तनाव न लें

हर समय परफेक्ट रहने का दबाव तनाव बढ़ाता है। छोटी गलती पर खुद को नाकाबिल समझने के बजाय उससे सीखें। अपनी कमियों को स्वीकार करना और खुद के प्रति दयालु रहना भी मानसिक संतुष्टि के लिए जरूरी है।



छोटी खुशियों को न टालें

ज्यादा पैसे जमा होने पर घूमने जाएंगे या जिम्मेदारियां खत्म होने पर अपने लिए समय निकालेंगे, ऐसी सोच में वर्तमान के अच्छे पल छूट जाते हैं। पसंदीदा काम, संगीत, बागवानी या परिवार के साथ सैर के लिए अभी समय निकालें। खुशी कोई ऐसी मंजिल नहीं, जहां पहुंचने के बाद सारी परेशानियां खत्म हो जाएं। यह अपने पास मौजूद चीजों को महसूस करने, रिश्तों को सहेजने और वर्तमान में जीने का तरीका है। आगे बढ़ना जरूरी है, लेकिन इस दौड़ में जिंदगी को पीछे छोड़ देना समझदारी नहीं। कभी-कभी खुश रहने के लिए कुछ नया हासिल करने से ज्यादा जरूरी है, जो हासिल है उसका आनंद लेना।

जिंदगी का फलसफा

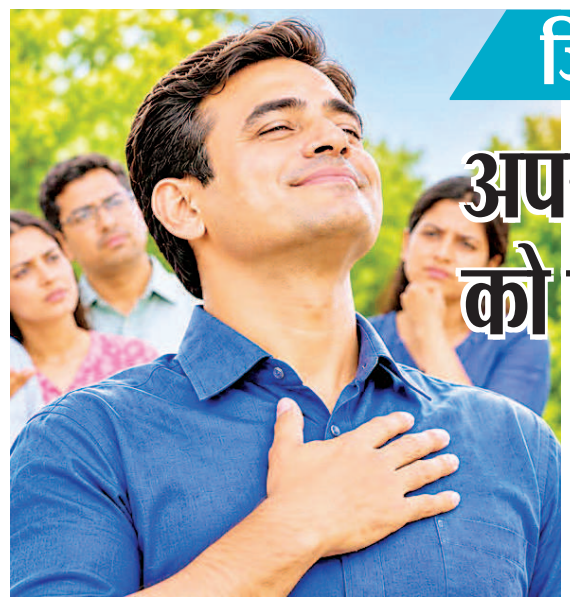

अपने आत्मविश्वास को कमजोर न करें

दूसरों को सही साबित करने में बीत जाती है जिंदगी

जीवन की एक कड़वी सच्चाई यह है कि इंसान अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दूसरों को यह समझाने में बिता देता है कि उसने जो किया, वह सही किया। वह अपने फैसलों, विचारों और कार्यों का स्पष्टीकरण देने में इतना उलझ जाता है कि धीरे-धीरे खुद को समझना ही भूल जाता है। उसे लगता है कि जब तक दूसरे उसके काम की सराहना नहीं करेंगे, तब तक उसके प्रयासों का कोई महत्व नहीं है। यही सोच व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर करने लगती है।

हर व्यक्ति का नजरिया एक जैसा नहीं होता

दरअसल, हर व्यक्ति की सोच, अनुभव और परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। जिस काम को हम अपनी समझ और परिस्थितियों के अनुसार सही मानते हैं, जरूरी नहीं कि दूसरा भी उसे उसी नजरिए से देखे। कई बार हमारी कोशिशों का परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आता। ऐसे में हमें अपनी कमियों को समझने और अनुभव से सीखने के बजाय दूसरों को यह साबित करने की चिंता सताने लगती है कि हमारा निर्णय गलत नहीं था। यह आदत धीरे-धीरे मानसिक थकान और असंतोष का कारण बन जाती है।

अपनी खुशी की चाबी दूसरों के हाथ में न दें

सबसे पहले व्यक्ति को यह समझना होगा कि हर किसी की स्वीकृति प्राप्त करना न तो संभव है और न ही जरूरी। यदि हम अपनी खुशी और आत्मसम्मान को दूसरों की प्रतिक्रिया से जोड़ देंगे तो हमारा मन कभी स्थिर नहीं रह पाएगा। आज कोई हमारी प्रशंसा करेगा तो हम खुश होंगे और कल वही व्यक्ति आलोचना कर देगा तो हमारा आत्मविश्वास डगमगाने लगेगा। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी कीमत दूसरों की राय से तय करना बंद करें।

आलोचना से सीखें, लेकिन उससे टूटें नहीं

इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि व्यक्ति दूसरों की बात सुनना छोड़ दे या अपनी गलतियों को स्वीकार न करे। जीवन में आलोचना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार दूसरे लोग हमारी उन कमियों को देख पाते हैं जिन्हें हम स्वयं नहीं देख पाते। लेकिन हर आलोचना को सच मान लेना भी समझदारी नहीं है। व्यक्ति को चाहिए कि वह उपयोगी सुझावों को स्वीकार करे, अपनी गलतियों में सुधार करे और निरर्थक टिप्पणियों को मन पर बोझ न बनने दे।

तुलना नहीं, अपनी प्रगति पर ध्यान दें

अपने आप को दूसरों से कमतर न समझने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति अपनी तुलना किसी दूसरे से करने के बजाय अपने बीते हुए कल से करे। हर इंसान की यात्रा अलग होती है। किसी को सफलता जल्दी मिल जाती है तो किसी को संघर्ष के लंबे रास्ते से गुजरना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि देर से सफलता पाने वाला व्यक्ति कम योग्य है। अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को पहचानना और उनके लिए स्वयं को प्रोत्साहित करना आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका है।



खुद की नजरों में सही होना ज्यादा जरूरी

अंततः जीवन दूसरों को सही साबित करने की प्रतियोगिता नहीं है। यह स्वयं को बेहतर बनाने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और मानसिक शांति के साथ आगे बढ़ने की यात्रा है। इसलिए लोगों की प्रशंसा मिलने पर विनम्र रहिए और आलोचना मिलने पर विचलित मत होइए। आपका मूल्य किसी की हां या ना से तय नहीं होता। जिस दिन आप अपने प्रयासों का सम्मान करना सीख जाएंगे, उस दिन दूसरों से कमतर महसूस करने की आदत भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगेगी।

अपने फैसलों की जिम्मेदारी लेना सीखें

व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ ऐसे फैसले भी लेने चाहिए जिनकी जिम्मेदारी वह स्वयं उठा सके। हर कदम पर दूसरों की राय और अनुमति का इंतजार करने से निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है। अपनी समझ पर भरोसा रखिए, लेकिन जरूरत पड़ने पर सीखने का साहस भी बनाए रखिए। याद रखिए, गलती करना असफलता नहीं, बल्कि अनुभव प्राप्त करने का एक अवसर है।

पुष्कर मेला में दिखेगी संस्कृति और परंपराओं का अनूठा संगम

संचार जगत



जयपुर। धार्मिक आस्था, राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के जीवंत रंगों से सराबोर पुष्कर मेला 17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा। इस बार मेला परंपरागत धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पर्यटन के नए और सहभागी अनुभवों का भी साक्षी बनेगा। विदेशी पर्यटक जहां स्थानीय प्रतिभागियों के साथ राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में भाग लेते नजर आएंगे, वहीं शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल प्रदेश के हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय कला का आकर्षण प्रस्तुत करेगा। मेले में ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य, लोक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शिल्पग्राम की गतिविधियां विशेष आकर्षण रहेंगी। आयोजन का उद्देश्य पुष्कर की पारंपरिक पहचान को कायम रखते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति, खानपान और ग्रामीण जीवन से जुड़ने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। पुष्कर मेले में इस बार राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अनुभव से जोड़ने की पहल की गई है। लगड़ी टांग, सतोलिया और गिल्ली-डंडा जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय प्रतिभागियों के साथ विदेशी पर्यटकों की भागीदारी प्रस्तावित है। पुष्कर मेला राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के साथ स्थानीय कला, शिल्प, खानपान और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

नशा तस्कर की 1.25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज



संचार जगत

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के आर्थिक नेटवर्क पर बड़ा प्रहार करते हुए हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति फ्रीज कर दी है। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गई इस कार्रवाई में आरोपी का गांव देवल्दी स्थित आलीशान मकान, केटा कार और जॉन डियर कंपनी का ट्रैक्टर शामिल है। आरोपी के खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश में मादक पदार्थ तस्करी सहित हत्या, हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराधों के कुल 19 मामले दर्ज हैं। पुलिस की वित्तीय जांच में वसीम खान की ऐसी संपत्तियां सामने आईं, जिन्हें मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी से अर्जित अवैध कमाई से खरीदा जाना बताया गया है। जांच के दौरान इन संपत्तियों का अनुमानित बाजार मूल्य करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये आंका गया। प्रतापगढ़ पुलिस ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों की पहचान कर उन्हें फ्रीज करने का अभियान चला रही है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य नशे के अवैध कारोबार से कमाई गई संपत्ति के उपयोग और हस्तांतरण पर रोक लगाना तथा तस्करों के आर्थिक नेटवर्क को कमजोर करना है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भी : राजनाथ सिंह

संचार जगत



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक तकनीकों पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल विकास, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रडार प्रणालियों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। ये उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उत्पादन एजेंसियों और उद्योग जगत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के रक्षा तंत्र में जैसे-जैसे आधुनिक और जटिल प्रणालियां शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना भी बेहद जरूरी हो गया है।

प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री, कलपुर्जे, संयोजन और निर्माण प्रक्रिया को गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसने कौन-सी तकनीक विकसित की है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि उस तकनीक से तैयार प्रणालियां कितनी गुणवत्तापूर्ण, भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि यहां किसी भी तरह की चूक के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता केवल निर्माण प्रक्रिया की एक औपचारिक जरूरत नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों की विश्वसनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम आधार है।

स्वामीनारायण मंदिर में अन्नकूट महोत्सव आयोजित

संचार जगत



दौसा। स्वामीनारायण मंदिर में अन्नकूट महा प्रसादी का आयोजन किया गया इस भव्य कार्यक्रम में हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। महाप्रसादी के अवसर पर 501 व्यंजनों का स्वामीनारायण भगवान को भोग लगाकर आरती की गई। इस अवसर पर वेद मंगल स्वामी, नारायण प्रसाद स्वामी ने महाप्रसादी और गोवर्धन महिमा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सच्चे भाव से अर्पित की गई प्रसादी को भगवान स्वीकार आवश्यक करते हैं।

मोदी ने झारखंड स्थापना दिवस की दीं शुभकामनाएं



संचार जगत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस की राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और बलिदान की गाथाओं से झारखंड की परंपराओं को निरंतर प्रेरणा मिलते रहने की कामना की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया झारखंड को जनजातीय गौरव, सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक संपदा का अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि यहां के घने वन, मनोरम जलप्रपात और ऐतिहासिक स्थल इसकी विशिष्ट पहचान को समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और बलिदान की गाथाओं से यहां की परंपराओं को निरंतर प्रेरणा मिलती रही है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि खनिज और ऊर्जा से लेकर हस्तशिल्प और पर्यटन तक इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं।

मुझे विश्वास है कि यहां के मेरे मेहनती और प्रतिभाशाली परिवारजनों के संकल्प और सामर्थ्य के बल पर यह प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

होटल जयमहल पैलेस स्थित दरबार हॉल में भव्य दीपावली स्नेह मिलन समारोह हुआ

दीपावली स्नेह मिलन में मीडिया जगत की दिग्गज हस्तियों का संगम

संचार जगत



जयपुर। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (MGUMST) की ओर से डॉ. एम. एल. स्वर्णकार एवं मीना स्वर्णकार द्वारा जयपुर के होटल जयमहल पैलेस स्थित दरबार हॉल में भव्य दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। डॉ. एम. एल. स्वर्णकार एवं श्रीमती मीना स्वर्णकार ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों, विशेषकर मीडिया जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस स्नेह मिलन को यादगार बना दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी संवाद, विश्वास, सम्मान और सामाजिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। समारोह में मीडिया जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। आत्मीयता, सौहार्द और पारस्परिक संवाद से सजे इस आयोजन में दीपावली की खुशियां साझा की गईं।

समारोह में वयोवृद्ध पत्रकार

मिलाप चंद डांडिया, राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी, ओम थानवी, संजीव वास्तव, भुवनेश जैन, फर्स्ट इंडिया न्यूज़ एवं भारत 24 के प्रधान संपादक डॉ. जगदीश चंद्र, दैनिक भास्कर के राष्ट्रीय संपादक एल.पी. पंत, स्टेट एडिटर मुकेश माथुर, भास्कर डॉट कॉम के किरण राजपुरोहित, इस अवसर पर विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोविंद पारीक, दिनेश शर्मा, मिलाप चंद डांडिया, विनोद भारद्वाज, अशोक चतुर्वेदी, महेश शर्मा, अनिल लोढ़ा, टाइम्स ऑफ इंडिया के शोएब खान, त्रिभुवन, समाचार जगत के शैलेन्द्र गोधा, जनसत्ता के राजीव जैन, द इंडियन एक्सप्रेस के हमजा खान, न्यूज़24 की डॉ. मीना शर्मा, श्रीवत्स, इंडिया न्यूज़ के मनु शर्मा, योगेंद्र शर्मा जन टीवी, गोविंद चतुर्वेदी, जिज्ञासु शर्मा तथा वीरेंद्र पारीक सहित मीडिया जगत के वरिष्ठ पत्रकार शामिल हुए। पारंपरिक लोक संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियों ने आयोजन को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से किया संवाद

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस आज राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी क्रम में 10 आश्रम छात्रावास, 3 आवासीय विद्यालय, एक नया खेल छात्रावास और 250 नए मां-बाड़ी केन्द्र खोले गए हैं। कार्यक्रम के दौरान परम्परा से प्रगति की ओर विकास यात्रा और जनजातीय क्षेत्रों के आस्था केन्द्रों पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों, महिलाओं एवं युवाओं ने जनकल्याणकारी योजनाओं को उनके जीवन में हो रहे सकारात्मक सुधारों का आधार बताया।

सोनिया गांधी की किताब का विमोचन आज मुख्यमंत्री विजय के दिल्ली में कार्यक्रमों पर नजर रखी जाएगी

संचार जगत



चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सोनिया गांधी की ऑटोबायोग्राफी के आधिकारिक लॉन्च में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आएंगे। अटकलें हैं कि सीएम विजय विवादित मेकेदातु डैम प्रोजेक्ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिल सकते हैं। इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी के परिवार के सदस्य और अन्य आमंत्रित लोग भी शामिल हो सकते हैं। ऑटोबायोग्राफी के आधिकारिक लॉन्च से पहले 10 नवंबर को बुकस्टोर पर पहुंच गई। मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक कर सकते हैं। लेकिन उनकी पीएम के साथ किसी बैठक की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री विजय के पद संभालने के बाद सोमवार को उनका तीसरा दिल्ली दौरा होगा। वे पहली बार 27 मई को पीएम मोदी से मिले थे। 10 से 12 जून तक अपने दूसरे दौरे में वे नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए थे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी और सोनिया गांधी से मिले थे। तमिलनाडु के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए मिलने की खबरों के बाद इस यात्रा का राजनीतिक महत्व भी बढ़ गया है। मुख्यमंत्री विजय के दिल्ली में कार्यक्रमों पर नजर रखी जाएगी, खासकर बांध विवाद और कावेरी जल को लेकर राज्य सरकार की चिंताओं पर होने वाली किसी भी चर्चा पर सबकी नजरें होंगी।

बंगाल की खाड़ी में फिर बन रहा नया चक्रवात

संचार जगत



विशाखापत्तनम। चक्रवाती तूफान मुरासू और अर्नब के असर से उबर रहे तटीय इलाकों के लिए एक बार फिर चिंता बढ़ाने वाली है। आंध्र प्रदेश पर एक और चक्रवाती तूफान का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि, यह तूफान तट से किस स्थान पर टकराएगा, इसकी स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मौसम विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र फिलहाल उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए सोमवार सुबह तक गंभीर डिप्रेशन का रूप ले लेगा। सोमवार शाम तक दक्षिण-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक पूर्ण चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा।

कुछ मौसम विशेषज्ञों का पूर्वानुमान है कि यह सिस्टम बुधवार तक और अधिक शक्तिशाली होकर एक गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप धारण कर सकता है। इसके बाद उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के तट को पार कर सकता है। इसके प्रभाव के चलते गुरुवार और शुक्रवार को उत्तरी आंध्र प्रदेश के कई जिलों में मूसलाधार बारिश और तेज़ आंधी चलने की प्रबल संभावना है।

राजस्थान में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में हुई लापरवाही

शेखावत ने जेजेएम में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस को घेरा



संचार जगत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जल जीवन मिशन में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया। शेखावत ने कहा कि जल जीवन मिशन में जिस तरह की लापरवाही और कथित मिलीभगत के चलते घोटाला हुआ, उसके बाद कांग्रेस के पास इस मुद्दे पर सवाल उठाने का नैतिक आधार नहीं बचता। शेखावत ने कहा कि इस मामले में तत्कालीन मंत्री कई महीनों तक जेल में रहे और अभी भी अनेक अधिकारी और ठेकेदार जेल में हैं। शेखावत ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में राजस्थान में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में हुई लापरवाही और कथित मिलीभगत के कारण बड़ा घोटाला सामने आया था। जिस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना और हर घर तक नल से जल उपलब्ध कराना था, उसके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार के आरोप गंभीर विषय हैं. ऐसे मामलों में जवाबदेही तय होनी चाहिए।

अमेरिकी ऑफर का दिया जवाबः जेलेंस्की ने कहा हम अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे

संचार जगत



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हफ्ते शांति समझौते पर चर्चा के लिए डबलिन में अमेरिकी दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देने के बदले डोनबास का इलाका रूस को सौंपने का सुझाव दिया है। जेलेंस्की के कार्यालय के जारी बयान के मुताबिक, अबू धाबी में रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने पहली बार यह प्रस्ताव रखा था। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि यूक्रेन अपनी जमीन रूस को नहीं सौंपेगा। जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने उनसे पूछा था कि अगर यूक्रेन को नाटो की सदस्यता दी जाती है, तो क्या वह डोनबास से अपनी सेना हटा लेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन किसी भी शांति समझौते के लिए सुरक्षा की पक्की गारंटी चाहता है। जेलेंस्की ने कहा कि अगर अमेरिका और नाटो के दूसरे देश यूक्रेन को सुरक्षा की पक्की गारंटी देते हैं, तो वह इस प्रस्ताव पर जनता की राय लेंगे। इसके लिए देश में जनमत संग्रह भी कराया जा सकता है। डोनबास यूक्रेन का पूर्वी इलाका है। इसमें डोनेत्स्क और लुहांस्क शामिल हैं। रूस लंबे समय से पूरे डोनबास पर कब्जा करना चाहता है। फिलहाल इसके बड़े हिस्से पर रूसी सेना का नियंत्रण है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि नाटो का विस्तार रूस की सुरक्षा के लिए खतरा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। उसने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की कोशिश को भी हमले की वजहों में शामिल किया था।

आइजनकोट ने नेतन्याहू के प्रस्ताव को ठुकराया



संचार जगत

इजराइल। कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गादी आइजनकोट से मिलकर सरकार बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सभी बड़ी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए। हालांकि, आइजनकोट ने कुछ ही मिनट बाद नेतन्याहू का प्रस्ताव ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू जानते हैं कि वे चुनाव हार चुके हैं। वे ऐसे समय बातचीत की अपील कर रहे हैं, जब बातचीत पहले से चल रही है। उनकी ये चालें मुझ पर काम नहीं करेंगी। आइजनकोट इजराइल के पूर्व सेना प्रमुख हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पिछले हफ्ते उन्हें नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए उन्हें 28 दिन का समय मिला है। जरूरत पड़ने पर 14 दिन और मिल सकते हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के परमाणु खतरे से निपटने के लिए देश में राष्ट्रीय एकता की सरकार बनाना जरूरी है। छोटी सरकार या आतंकवाद समर्थक दलों के सहारे चलने वाली सरकार ऐसा नहीं कर पाएगी। नेतन्याहू ने वीडियो पोस्ट कर आइजनकोट से साथ मिलकर नेशनल यूनिटी गवर्मेंट बनाने की अपील की थी ।

तकनीकी खराबी के चलते इंडिगो फ्लाइट पुणे लौटी

संचार जगत



पुणे। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया। पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। लैंडिंग से पहले विमान को रनवे के ऊपर से कम ऊंचाई पर उड़ाया गया, ताकि देखा जा सके कि उसका लैंडिंग गियर ठीक से खुला है या नहीं। इसके बाद सुबह 9 बजकर चार मिनट पर विमान को पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। लैंडिंग के बाद तीन दमकल गाड़ियों और दो एंबुलेंस की मदद से विमान को बे नंबर-7 पर ले जाया गया। जांच में विमान की स्थिति सुरक्षित मिलने के बाद इमरजेंसी हटा दी गई। इसके बाद विमान में एयरोब्रिज लगाया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

ललित मोदी बने ब्रिटिश नागरिक



संचार जगत

ब्रिटिश। इंडियन प्रीमियर लीग के संस्थापक ललित मोदी अब भारतीय नहीं, ब्रिटिश नागरिक हैं। उन्होंने पोस्ट करके बताया कि 15 सितंबर 2026 को उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उनकी भारतीय नागरिकता 2 साल पहले ही खत्म हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने पैसिफिक आइलैंड देश वानुअतु की नागरिकता ली थी। बाद में वहां के पीएम ने उनका पासपोर्ट कैंसिल करवा दिया था। पीएम ने कहा था कि ललित प्रत्यर्पण से बचने नागरिकता ले रहे हैं। ललित 2010 में लंदन चले गए थे, जब उन पर आईपीएल में वित्तीय अनियमितता, मनी लॉन्ड्रिंग, बिड-रिगिंग जैसे आरोप लगे थे। तब से वे वहीं हैं। ब्रिटिश नागरिकता उनकी तीसरी नागरिकता होगी। ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक गर्व से भरा पल, एक नया अध्याय। आज, 14 नवंबर को मुझे ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का मौका मिला, जहां मैंने एक बहुत ही खास और पर्सनल माइलस्टोन शेयर किया।

श्रद्धा और उत्साह से मनाया जा रहा है छठ महापर्व

संचार जगत



नई दिल्ली। देश भर में छठ महापर्व श्रद्धा और उत्साह से मनाया जा रहा है। पर्व के तीसरे दिन बिहार सहित देश भर की नदियां तालाब के घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे हैं। राजधानी पटना में गंगा नदी के 100 से ज्यादा घाटों पर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं। लखीसराय में हनुमान घाट पर श्रद्धालुओं ने पूजा की। औरंगाबाद के सूर्यकुंड-रुद्रकुंड तालाब में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एनडीआरएफ के जवानों की तैनाती की गई है। मुजफ्फरपुर के सीढ़ी घाट पर श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया। बक्सर के चौसा घाट पर छठ व्रती महिलाओं ने गंगा में डुबकी लगाई।

मदन दिलावर ने अशोक गहलोत पर कसा तंज

संचार जगत

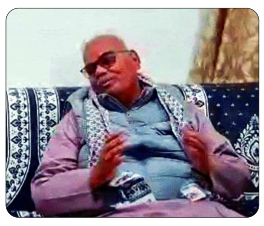

जोधपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर करारा हमला बोला। दिलावर ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा कि सोनिया गांधी ने जिसे बाबरी ढांचा बताया, वह विवादित था। उसके गिरने पर सोनिया को आंसू आ गए, लेकिन उनके आंसू वर्ष 1990 में कश्मीर में हिंदुओं की हत्याओं पर क्यों नहीं निकले। मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि कांग्रेसी देश को नुकसान और बदनाम करने की साजिश करते हैं. कांग्रेस आतंकियों की संरक्षणकर्ता है। उन्होंने अशोक गहलोत पर बड़ा हमला बोलेते हुए कहा कि उनको एक फाइल यह भी चलानी चाहिए कि कांग्रेस राज में कहां-कहां पैसा खाया। गहलोत की बजट फाइल सीरीज पर दिलावर ने कहा कि उनके पास अब यही काम बचा है। उन्होंने किया कुछ नहीं था। दिलावर ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार में जल जीवन मिशन का सारा पैसा खा गए। अब कहते हैं कि काम फाइलों में हो रहे हैं। सारा पैसा तो तुम लोग डकार गए थे। अब सलाह दे रहे हैं।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

संचार जगत



तिंवरी। तिंवरी-जोधपुर रोड पर इंद्रोका गांव के पास पिकअप और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सूरसागर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

संचार जगत



जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत सोमवार को होने वाले सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के मतदान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने रविवार को मामचारी, अतैवा, राजौर एवं कैलादेवी में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अक्षय गोदारा तथा पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल भी उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए की गई मूलभूत व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने केन्द्रों पर पेयजल, बिजली, पर्याप्त प्रकाश, शौचालय, साफ-सफाई, छाया तथा दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं के लिए रैम्प एवं व्हीलचेयर की उपलब्धता की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान के दिन किसी भी मतदाता को अनावश्यक असुविधा न हो और विशेष आवश्यकता वाले मतदाताओं के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार रखा जाए। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने मतदान केन्द्रों पर की गई प्रशासनिक व्यवस्थाओं, मतदान दलों की रवानगी, सामग्री वितरण और सेक्टर अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। ?वहीं, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने संवेदनशील एवं क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर तैनात किए गए पुलिस जाब्ते, सुरक्षा घेरे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयार किए गए सुरक्षा प्लान से अवगत कराया। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मतदान केन्द्रों पर प्रवेश और निकास मार्गों को सुगम बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण तथा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने जिले में संचालित स्वीप (SVEEP) गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इन मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणामस्वरूप जिले के मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कुमारी सैलजा ने किसानों की समस्याओं पर की चिंता

संचार जगत



सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के किसानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को किसानों की वास्तविक परेशानियों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना चाहिए। विशेषकर सिरसा और फतेहाबाद जिलों में नहरी पानी की आपूर्ति में की गई कटौती से किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों के अनुसार पहले नहरों में दो सप्ताह पानी आने और दो सप्ताह बंद रहने की व्यवस्था थी, लेकिन अब पानी की आपूर्ति घटाकर एक सप्ताह कर दी गई है, जबकि बंदी की अवधि दो सप्ताह रखी गई है। इससे टेल तक पानी पहुंचने में कठिनाई हो रही है। सांसद ने कहा कि पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति, फतेहाबाद द्वारा उठाई गई मांगों पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। समिति ने किसानों पर दर्ज मुकदमों की समीक्षा कर उन्हें वापस लेने, नहरी पानी की व्यवस्था सुधारने, गत 24 अक्टूबर की ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने तथा फतेहाबाद लघु सचिवालय पर आंदोलनरत किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

पोलो ग्राउंड में नेशनल साइकिल पोलो चैंपियनशिप शुरू हुई

संचार जगत



जोधपुर। पाबूपुरा स्थित पोलो ग्राउंड में 47वीं सीनियर मेन्स, 45वीं जूनियर बॉयेज और 41वीं सब जूनियर बॉयेज नेशनल साइकिल पोलो चैंपियनशिप शुरू हुई।

पूर्व नरेश गजसिंह ने बॉल थ्रो करके चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले 18 नवंबर को सुबह होंगे। इस मौके पर पूर्व नरेश गजसिंह ने कहा कि जोधपुर साइकिल पोलो का एक तरह से घर है।

एक अंतराल के बाद वापस इसकी शुरुआत हुई है। इस बार यहां 40 से ज्यादा टीमें भाग ले रही हैं। विजेताओं को पूर्व राज परिवार की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

सीनियर टीम को राष्ट्रीय महाराजा जोधपुर कप, जूनियर टीम को राष्ट्रीय युवराज जोधपुर कप और सब जूनियर टीम को राष्ट्रीय राज भंवर साइकिल पोलो कप दिया जाएगा।

बड़ी संख्या में लोगों ने किया रक्तदान



संचार जगत

बयाना। भारत विकास परिषद की बयाना शाखा की ओर से एक हॉस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर का शुभारंभ परिषद के प्रांतीय नशा मुक्ति प्रभारी योगेश पाराशर एवं डॉ. सावित्री मीणा ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में 33 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर युवाओं से नशे से दूर रहने और समाजसेवा के कार्यों में भाग लेने की अपील की।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति

राज्यपाल ने पिच्छी परिवर्तन महोत्सव में लिया भाग

संचार जगत



जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने चाकसू तहसील के ग्राम निमोडिया में जैन संत आचार्य प्रज्ञासागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास समारोह में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने वहां पिच्छी परिवर्तन महोत्सव में भी भाग लिया और कहा कि युवाओं को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का यह अपूर्व अवसर है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने जैन धर्म की अहिंसा, सहिष्णुता,अपरिग्रह के संदेशों को सभी को आत्मसात करने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे श्रद्धालुओं को आचार्य, मुनिराज और आर्यिका माताजी को नई पिच्छी भेंट करने और उनकी पुरानी पिच्छी को प्रसाद स्वरूप प्राप्त करने की घटना के भी साक्षी बने।

उन्होंने जैन साधु-साध्वियों द्वारा अपने साथ मोर के पंखों से बनी पिच्छी के जरिए सूक्ष्म जीव को भी कष्ट न पहुंचने की सोच को धर्म की उदात्त दृष्टि बताते हुए आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज और अन्य साधु साध्वियों को प्रणाम निवेदित किया और उनका आशीर्वाद लिया।

पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस करेगी मंथन

जयपुर। प्रदेश में चार चरणों में पंचायत चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद अब सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने समर्थित सदस्यों को एकजुट रखने के लिए बाड़ाबंदी की रणनीति में जुट गई हैं, तो कांग्रेस ने चुनावी नतीजों का आकलन शुरू कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के भीतर बड़े स्तर पर मंथन की तैयारी की है।

इसके लिए 17 और 18 नवंबर को कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें हार-जीत के कारणों और संगठन की मजबूती पर चर्चा होगी। बैठक में प्रदेशभर के सभी 200 पर्यवेक्षकों और जिला प्रभारियों को बुलाया गया है। डोटासरा खुद एक-एक पर्यवेक्षक और जिला प्रभारी से वन-टू-वन बातचीत कर पंचायत चुनाव का फीडबैक लेंगे।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।